भारतीय मुद्रा डिज़ाइन तंत्र

प्रिलिम्स के लिये:

नोटों और सिक्कों को जारी करने के संबंध में RBI और केंद्र सरकार की शक्तियाँ

मेन्स के लिये:

मुद्रा डिज़ाइन और मुद्रण की प्रक्रिया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में एक राजनीतिक दल के प्रमुख ने देश में "समृद्धि" लाने के लिये केंद्र सरकार से नोटों (मुद्रा) पर देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश के चित्र छापने का अनुरोध किया।

भारतीय बैंक नोटों एवं सिक्कों के डिज़ाइन व जारी करने में कौन-कौन शामिल होता है?

- **विषय:**
  - भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) और **केंद्र सरकार** बैंक नोटों एवं सिक्कों के **डिज़ाइन तथा स्वरूप में बदलाव** का फैसला करते हैं।
  - करेंसी नोट के डिज़ाइन में किसी भी बदलाव को **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के केंद्रीय बोर्ड और केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिये।**
    - **सिक्कों के डिज़ाइन में बदलाव करना केंद्र सरकार का विशेषाधिकार** है।
- **नोट जारी करने में RBI की भूमिका:**
  - **भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934** की धारा 22, RBI को भारत में **बैंक नोट जारी** करने का "एकमात्र अधिकार" प्रदान करती है।
    - केंद्रीय बैंक आंतरिक रूप से डिज़ाइन तैयार करता है, जिसे **RBI के केंद्रीय बोर्ड के सामने रखा जाता है।**
  - धारा 25 में कहा गया है कि "बैंक नोटों का डिज़ाइन, स्वरूप और सामग्री ऐसी होनी चाहिये जैसा कि **RBI के केंद्रीय बोर्ड द्वारा की गई सिफारिशों पर विचार करने के बाद केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया हो"।**
  - RBI के मुद्रा प्रबंधन विभाग के डिप्टी गवर्नर की अध्यक्षता में मुद्रा प्रबंधन के कार्य को प्रशासित करने की ज़िम्मेदारी है।
    - यदि किसी करेंसी नोट का डिज़ाइन बदलना है, तो विभाग डिज़ाइन पर काम करता है और इसे RBI को प्रस्तुत करता है **जो केंद्र सरकार को इसकी अनुशंसा करता है। सरकार अंतिम मंज़ूरी देती है।**
- **सिक्कों की ढलाई में केंद्र सरकार की भूमिका:**
  - **सिक्का अधिनियम, 2011** के अनुसार, विभिन्न मूल्यवर्ग के सिक्कों की रूपरेखा तैयार करने (डिज़ाइनिंग) तथा ढलाई की ज़िम्मेदारी भारत सरकार की है।
    - भारतीय रिज़र्व बैंक की भूमिका केंद्र सरकार द्वारा आपूर्ति किये जाने वाले सिक्कों के वितरण करने तक सीमित है।
  - भारतीय रिज़र्व बैंक से वार्षिक आधार पर प्राप्त होने वाले मांगपत्र (इंडेंट) के आधार पर ढाले जाने वाले सिक्कों की मात्रा का निर्धारण भारत सरकार करती है।
  - सिक्कों की ढलाई भारत सरकार के स्वामित्व वाली चार टकसालों में की जाती है। ये टकसाल मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता तथा नोएडा में स्थित हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक की मुद्रा प्रबंधन प्रणाली:

- भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा केंद्र सरकार तथा अन्य साझेदारों के परामर्श से एक वर्ष में मूल्यवर्ग वार संभावित आवश्यक बैंक नोटों की मात्रा का आकलन किया जाता है और बैंक नोटों की आपूर्ति हेतु विभिन्न करेंसी प्रिंटिंग प्रेसों को मांगपत्र (इंडेंट) सौंपता है ।
  - भारत सरकार की दो प्रिंटिंग प्रेस नासिक (पश्चिमी भारत) तथा देवास (मध्य भारत) में स्थित हैं तथा भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण लिमिटेड (BRBNML) की दो अन्य प्रेस मैसूर (दक्षिण भारत) तथा सालबोनी (पूर्वी भारत) में स्थित हैं ।
- संचलन से वापस लिये गए बैंक नोटों की जाँच की जाती है तथा जो संचलन के योग्य हैं उन्हें पुन: जारी किया जाता है, जबकि अन्य (गंदे तथा कटे-फटे)

को नष्ट कर दिया जाता है ताकि संचलन में बैंक नोटों की गुणवत्ता को बनाए रखा जा सके।

अब तक जारी नोटों के प्रकार:

- **अशोक स्तंभ वाले बैंक नोट: स्वतंत्र भारत में पहला बैंक नोट वर्ष 1949 में जारी किया गया जो कि 1 रुपए का नोट था।** मौजूदा डिज़ाइन को जारी रखते हुए नए बैंक नोटों में किंग जॉर्ज के चित्र की बजाय वॉटरमार्क वाले स्थान में सारनाथ के अशोक स्तंभ की **लायन कैपिटल** के प्रतीक का उपयोग किया गया।
- **महात्मा गांधी (एमजी) शृंखला वाले नोट, 1996:** इस शृंखला के सभी बैंक नोटों पर अशोक स्तंभ की लायन कैपिटल के प्रतीक के स्थान पर आगे की तरफ महात्मा गांधी का चित्र है, जिसे वॉटरमार्क वाले स्थान के बाईं ओर रखा गया था। इन बैंक नोटों में **महात्मा गांधी** वॉटरमार्क के साथ-साथ महात्मा गांधी का चित्र भी है।
- **महात्मा गांधी शृंखला वाले नोट, 2005: "MG सीरीज़ 2005"** के तहत 10 रुपए, 20 रुपए, 50 रुपए, 100 रुपए, 500 रुपए और 1,000 रुपए के नोट जारी किये गए थे। इन नोटों में 1996 की MG सीरीज़ की तुलना में कुछ अतिरिक्त/नई सुरक्षा संबंधी विशेषताएँ हैं **इस शृंखला के 500 और 1,000 रुपए के नोटों को 8 नवंबर, 2016 की मध्यरात्रि के बाद वापस ले लिया गया था।**
- **महात्मा गांधी (नई) शृंखला वाले नोट, 2016:** "MGNS" नोट **देश की सांस्कृतिक विरासत और वैज्ञानिक उपलब्धियों को उजागर करते हैं** । छोटे आकार के होने के कारण ये नोट वॉलेट के लिये अधिक अनुकूल हैं, इनके खराब होने की संभावना भी कम होती है। इन नोटों का रंग साफ़ और स्पष्ट है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के गवर्नर की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है।
2. भारत के संविधान में कुछ प्रावधान केंद्र सरकार को जनहित में RBI को निर्देश जारी करने का अधिकार देते हैं।
3. RBI का गवर्नर भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम से अपनी शक्ति प्राप्त करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-currency-design-mechanism